कुमुद फूल बेचनेवाली लड़की

HSSLIVE.IN

कविता

श्री ओ एन वी कुरुप

अनुवादकः डॉ एस तंकमणि अम्मा

आस्वादन टिप्पणीः-

प्रो. ओ. एन. वी कुरुप मलयालम के लोकप्रिय कवि हैं। कवि एक बार गोवा के प्रसिद्ध श्री मंगेश मंदिर गए थे। वहाँ की एक घटना के आधार पर उन्होने कविता लिखा - 'आंबल पू विल्कुन्ना पेणकुट्टी'। हिंदी के प्रसिद्ध मौलिक लेखिका तथा अनुवादक श्रीमती. एस. तंकमणी अम्मा ने 'कुमुद फूल बेचनेवाली लड़की' नाम से इसका अनुवाद किया।

एक पुराना देवालय के पास एक कुमुद सरोवर है। वहाँ के कुमुद फूल, देव का इष्ट नैवेद्य हैं। मंदिर के पास फूल बेचनेवाले अनेक लोग हैं। सब के हाथों में कुमुद का फूल है, जो मृत जल-साँप की तरह दिखाई पड़ते है। वहाँ आनेवाले भक्तों से फूल बेचनेवाले लोग अपने हाथ से फूल खरीदने की प्रार्थना करते रहते हैं।

कवि के पास एक छोटी लड़की आकर अपने हाथ में जो फूल है उसे आगे बढ़ाती हैं। उसकी मुर्झाया हुआ नन्ही मुख देखकर कवि का मन द्रवित होता हैं। उसने एक छोटा सिक्का, फूल का दाम के रूप में दिया। वह फूल और लड़की की मुखड़ा, दोनों उसे सुंदर लगता है। आगे कवि कहतें हैं – 'हे फूल, तू इस छोटी बहन केलिए अन्न हैं, इससे बढ़कर कोई भलाई नहीं हैं। नैवेद्य के रूप में तुझे देने से मुझे क्या मिलेगा?'

खाली हाथ से कवि आगे चलते है। 'मेरे हाथ से .....'ऐसा दीन स्वर धीमी होती जाती हैं।

कवि ने इस कविता में फूल बेचनेवाली एक गरीब लड़की की बेबसी का चित्रण किया है। लड़की की हालत उसे दुबारा सोचने में विवश करता हैं। फूल का पैसा देकर आगे चलनेवाला कवि सोचते हैं कि उस भूखी एवं गरीब लड़की की भूख मिटाने से बढ़कर अन्य पुण्य काम नहीं हैं। फूल का पैसा देकर आगे चलनेवाला कवि मानवता का प्रतिरूप हैं।

कवितांश पढ़ें और उत्तर लिखें।

(I) पुराना देवालय .....फूल का दाम।

(1) समानार्थी शब्द कविता से चुनकर लिखें।

मंदिर	- देवालय	पास	- निकट	तालाब	- सरोवर
मार्गदर्शक	- मार्गदर्शी	डंडी	- डंठल	नोक	- छोर
सफेद	- श्वेत	पास में	- सम्मुख	मूल्य	- दाम

(2) कुमुद सरोवर कहाँ है?

पुराना देवालय के पास।

HSSLIVE.IN

(3) देवालय के पास लेखक ने क्या-क्या देखा?

कुमुद सरोवर और पूजा-द्रव्य बेचनेवाले लोगों के अनेक दल देखा।

HSSLiVE.IN

(4) मंदिर के रास्ते में किसके दल है?
पूजा द्रव्य बेचनेवालों के दल है।

(5) इष्टदेव का इष्ट नैवेद्य क्या है?
कुमुद का फूल।

(6) मार्गदर्शी क्या कह रहे थे?
मार्गदर्शी इस प्रकार कह रहे हैं कि 'यहाँ इष्टदेव का इष्ट नैवेद्य कुमुद का फूल है।'

(7) कवि ने कुमुद फूल की उपमा किस से की गई है?
मृत जल-साँप से।

(8) लटके हुए लंबे डंठलों की तुलना किससे की गई है?
मृत जल-साँप से।

(9) कुमुद फूल कैसे है?
मृत जल-साँप की तरह लंबे डंठलों के छोरों पर खिले कुमुद फूल श्वेत रंग के हैं।

(10) फूल बेचनेवालों ने क्या कह रहे थे?
फूल बेचनेवालों ने कह रहे थे कि मेरे हाथ से ले लो, मेरे हाथ से ले लो।

(11) कवि के पास कौन आया?
एक छोटी लड़की।

(12) कवि के पास आई लड़की कैसी थी?
वह लड़की मुरझाए फूल के सूखे ड़ंठल की तरह दुबली पतली थी।

(13) कवि ने लड़की की उपमा किस से की गई है?
मुरझाए फूल के सूखे ड़ंठल से।

(14) लड़की ने कवि से क्या प्रार्थना किया?
वह दीन स्वर में प्रार्थना कर रही थी कि मेरे हाथों से फूल ले लो।

(15) कवि ने लड़की को क्या रख दिया?
फूल के दाम के रूप में एक छोटा सिक्का रख दिया।

(II) मेरी ओर बढ़ाते ..... धी मा होता जाता हैं...।

(1) समानार्थी शब्द कवितांश से चुनकर लिखें।

चेहरा	- मुखड़ा	सुंदर	- सुरम्य	भोजन	- अन्न
समर्पण करना	- चढ़ाना	शून्य	- खाली		

(2) कवि ने क्या-क्या देखा?
कवि ने उसकी ओर बढ़ाते फूल और उस लड़की के चेहरे दोनों को देखा।

(3) दो सुरम्य कोमल रूप कौन-कौन है?
फूल बेचनेवाली छोटी लड़की और उनके हाथ का श्वेत कुमुद फूल।

HSSLiVE.IN

(4) दो सुरम्य रूप कैसे थे?

लड़की के हाथ का फूल और उसका मुख दोनों एक समान मुरझाए हुए थे।

(5) लड़की के मुरझाए हुए चेहरे देखकर कवि को कैसे लगा?

लड़की की चेहरे देखकर कवि को लगा कि फूल उस छोटी बहन केलिए अन्न है।

(6) 'तुझे चढ़ाकर भला अब क्या पाऊँ मैं....।' कवि क्यों ऐसा सोचता है?

लड़की की चेहरे देखकर कवि को लगा कि फूल उस छोटी बहन केलिए अन्न है। अन्न देने से बढ़कर कोई और पुण्य नहीं। उससे बढ़कर पुण्य, उस फूल को नैवेद्य के रूप में चढ़ाने पर कभी भी न मिलेगा।

HSSLIVE.IN

(7) कवि क्यों फूल लिए बिना खाली हाथ आगे बढ़े?

लड़की की चेहरे देखकर कवि को लगा कि फूल उस छोटी बहन केलिए अन्न है। अन्न देने से बढ़कर कोई और पुण्य नहीं। उससे बढ़कर पुण्य, उस फूल को नैवेद्य के रूप में चढ़ाने पर कभी भी न मिलेगा। इसलिए कवि फूल लिए बिना खाली हाथ आगे बढ़े।

(8) खाली हाथ आगे की ओर जाते समय कवि ने क्या सुना?

'मेरे हाथ से, मेरे हाथ से ....ऐसा दयनीय स्वर सुना।

मेरी खोजः

(1) कविता के निम्न लिखित वाक्यांश किससे संबंधित हैं?

- कुमुद से या लड़की से।

➢ इष्टदेव का इष्ट नैवेद्य	☐	कुमुद
➢ लंबे डंठलों के छोरों पर खिले	☐	कुमुद
➢ मुरझाए फूल की ड़ठल-ज्यों लड़की	☐	लड़की
➢ दीन स्वर में प्रार्थना करती	☐	लड़की
➢ मृत जल-साँप - ज्यों	☐	कमुद
➢ तुझे चढ़ाकर भला अब क्या पाऊँ मैं	☐	कमुद

HSSLIVE.IN

परीक्षा केंद्रित कुछ और प्रश्न। इनके उत्तर स्वयं लिखने का प्रयास करें:

(1) कवि और मार्गदर्शी के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

(2) कवि और लड़की के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

(3) लड़की को फूल का दाम देकर कवि खाली हाथ आगे बढ़ता है। कवि ने अपने उस दिन की ड़ायरी में क्या लिखा होगा? डायरी का वह पन्ना तैयार करें।

(4) लड़की को फूल का दाम देकर कवि खाली हाथ आगे बढ़ता है। घर पहुँचकर अपनी पत्नी से उस छोटी लड़की के बारे में कहते हैं। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

HSSLiVE.IN

(5) लड़की को फूल का दाम देकर कवि आगे बढ़ता है। उस दिन लड़की ने अपनी डायरी में क्या लिखा होगा। कल्पना करके लिखें।

(6) अपने घर पहुँचकर उस लड़की अपनी माँ से लेखक के बारे में बताते हैं। लड़की और माँ के बीच का वैंर्तालाप कल्पना करके लिखें।

(7) कुमुद फूल बेचनेवाली दो लड़कियों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

(8) वर्षों बाद कवि अपने आत्मकथा लिखने की कोशिश में है। उस समय उसकी मन में उन दो सुरम्य सुकोमल रूपों की यादें आती है। आत्मकथांश लिखें।

(9) कुमुद फूल बेचनेवाली लड़की के बारे में एक विशेष समाचार अगले दिन के अखबार में छापा दाता है। वह समाचार तैयार करें।

(10) "कुमुद फूल बेचनेवाली लड़की "हमें क्या संदेश देता है।

HSSLiVE.IN

DO NOT COPY